

भारतीय
प्रौद्योगिकी
संस्थान

भारतीय हिन्दू विश्वविद्यालय



INDIAN
INSTITUTE OF
TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

अपील

भारतीय संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को 'हिन्दी' को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया गया। परिणामस्वरूप भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार यह प्रावधान किया गया है कि संघ की राजभाषा 'हिन्दी' एवं लिपि 'देवनागरी' होगी। भाषा किसी भी देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं आर्थिक विकास की द्योतक होती है। जिन देशों ने अपनी भाषा में शिक्षा, शोध एवं तकनीकी का विकास किया है वे देश विकास की ओर काफी तेजी से अग्रसर हुये हैं। अतः राजभाषा हिन्दी में कार्य करना हमारा दायित्व है।

आज का युग सूचना प्रौद्योगिकी का युग है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में सॉफ्टवेयरों की सहायता से किसी भी भाषा में काम कर पाना संभव हुआ है। आज कंप्यूटर पर हिन्दी में काम करने की सुविधाओं में बहुत विकास हुआ है एवं सोशल मीडिया में भी हिन्दी का प्रचलन बढ़ा है। विश्व में हिन्दी बोलने एवं सीखने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इस बहुभाषी देश में हिन्दी एक संपर्क भाषा के रूप में उभरकर सामने आयी है। विश्व पटल पर हिन्दी भाषा का सम्मान काफी बढ़ा है।

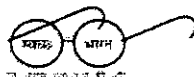
प्रौद्योगिकी के माध्यम से हिन्दी के विकास में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (का.हि.वि.) का विशेष योगदान रहा है। भाषा के क्षेत्र में तकनीकी के विकास से हिन्दी को एक नया आयाम मिला है। अनुवाद सॉफ्टवेयर, तकनीकी शब्दावली आदि के क्षेत्र में हम सदैव कार्यरत हैं। संस्थान हिन्दी में काम करने में आ रही समस्याओं को दूर करने का प्रयास करता रहा है। हमारा संस्थान हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु सदैव समर्पित रहा है।

हिन्दी पखवाड़ा के अवसर पर मैं अपने संस्थान के समस्त सदस्यों से अपील करता हूँ कि आप सभी ज्यादा से ज्यादा कार्यालयी काम हिन्दी में करें एवं राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी इस वर्ष के वार्षिक-कार्यक्रम में वर्णित लक्ष्यों की प्राप्ति में अपना पूरा योगदान दें। राजभाषा हिन्दी के विकास के लिए समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का अपने विभाग/अनुभाग में अनुपालन सुनिश्चित करें। राजभाषा हिन्दी का सम्मान करें। इस अवसर पर आपको इस दिशा में सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिन्द !

वाराणसी
01 सितंबर, 2017

राजीव संगल
(राजीव संगल)
निदेशक



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय), वाराणसी - 221005 (भारत)
Indian Institute of Technology (BHU), Varanasi - 221 005 (INDIA)

☎ 91-542-2368106, 2368427, FAX 91-542-2368428, e-mail director@itbhu.ac.in, web www.itbhu.ac.in